भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3096

जिसका उत्तर 06.08.2026 को दिया जाना है

बिटुमेन की कमी

†3096. श्री कार्ती पी. चिदम्बरम:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बिटुमेन की निरंतर चल रही कमी ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग (एन.एच.) निर्माण की गति को प्रभावित किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) बिटुमेन की आपूर्ति में बाधाओं के कारण चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में रिपोर्ट की गई अधिकतम विलम्ब अवधि क्या है;

(ग) सरकार द्वारा बिटुमेन की वैकल्पिक खरीद और इसके मूल्यों को स्थिर करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और

(घ) क्या मंत्रालय ने आयातित बिटुमेन पर निर्भरता कम करने के लिए वैकल्पिक सामग्रियों या रीसाइक्लिंग तकनीकों के उपयोग की खोज की है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ग) वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान बिटुमेन की कोई कमी दर्ज नहीं की गई थी, तदनुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के निर्माण की गति ऐसे किसी कारण से प्रभावित नहीं हुई थी।

हालांकि, वर्तमान वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान, पश्चिम एशिया संकट के कारण बिटुमेन की कम आपूर्ति के कारण राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की गति मामूली रूप से प्रभावित हुई है।

राष्ट्रीय राजमार्ग अनुबंधों में आम तौर पर कार्यान्वयन अवधि के दौरान बिटुमेन सहित सामग्रियों की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए मूल्य समायोजन के प्रावधान शामिल होते हैं। इसके अलावा, बिटुमेन की कीमतों में हुई भारी वृद्धि के प्रभाव को कम करने और राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के निर्बाध निर्माण एवं रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष राहत उपाय के रूप में, सरकार ने बिटुमेन के लिए लागत वृद्धि क्षतिपूर्ति तंत्र जारी किया है, जो 30.09.2026 तक प्रभावी रहेगा।

आपूर्ति संबंधी बाधाओं का समाधान करने के लिए, बिटुमेन की आपूर्ति की दैनिक निगरानी हेतु तेल उत्पादन कंपनियों (ओएमसी) सहित सभी हितधारकों के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए एक

संयुक्त कोर समिति का गठन किया गया था। ओएमसी से बिटुमेन के आयात की व्यवस्था करने का भी अनुरोध किया गया था, ताकि आपूर्ति संबंधी बाधाओं से बचा जा सके।

(घ) सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण और रखरखाव में बिटुमेन की मांग को कम करने के लिए एक ढांचा तैयार किया है। इस रणनीति में अन्य बातों के अलावा, पेवमेंट की निचली परतों में उच्च-शक्ति वाले स्थिर पदार्थों का उपयोग शामिल है, जिससे बिटुमेन की परतों की डिज़ाइन मोटाई कम हो जाती है और इसके परिणामस्वरूप नए बिटुमेन की आवश्यकता भी कम होती है। सरकार पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) तकनीकों के माध्यम से मौजूदा बिटुमेन पेवमेंट से प्राप्त बिटुमेन के पुन: उपयोग को भी बढ़ावा देती है।

इसके अलावा, सरकार ने आयातित बिटुमेन पर निर्भरता कम करने के लिए समय-समय पर वैकल्पिक सामग्रियों और पुनर्चक्रण प्रौद्योगिकियों के उपयोग हेतु दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

i. पेवमेंट निर्माण और पुर्नस्थापन में फोमयुक्त बिटुमेन या बिटुमेन इमल्शन के साथ पुनः प्राप्त (रीक्लेम्ड) डामर फुटपाथ (आरएपी) का उपयोग; और
ii. आवधिक नवीनीकरण (पीआर) कार्यों के लिए हॉट इन-प्लेस रीसाइक्लिंग प्रौद्योगिकी का कार्यान्वयन।
iii. संशोधित बिटुमेन जैसे क्रम्ब रबर मॉडिफाइड बिटुमेन (सीआरएमबी), पॉलीमर मॉडिफाइड बिटुमेन (पीएमबी) के उपयोग को बढ़ावा देना।
iv. बायो-बिटुमेन को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करना।

ये उपाय नए बिटुमेन की खपत को कम करने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और राष्ट्रीय राजमार्गों के टिकाऊ निर्माण और रखरखाव को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।

****